रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 30 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 81 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोयंबटूर दौरे से पहले

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, कई क्षेत्रों में रेड जोन घोषित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार को कोयंबटूर दौरे से पहले पूरे शहर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है, वे केरल में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए प्रचार करने के लिए शहर से गुजरेंगे।

अधिकारियों ने कोयंबटूर और उसके आसपास के कई क्षेत्रों को "रेड जोन" घोषित कर दिया है और ड्रोन संचालन तथा सार्वजनिक आवागमन पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये उपाय प्रधानमंत्री के कोयंबटूर हवाई अड्डे से सुरक्षित आगमन और प्रस्थान सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए व्यापक सुरक्षा प्रोटोकॉल का हिस्सा हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कोयंबटूर ग्रामीण पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आने वाले नीलमपुर, चिन्तामणिपुदुर, चेट्टीपलयम, मधुकराई, एट्टिमाडाई, वालयार और आसपास के क्षेत्रों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में रविवार शाम 5 बजे तक ड्रोन के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसी तरह, कोयंबटूर सिटी पुलिस ने अविनाशी रोड, पीलामेडु, एसआईटीआरए, नेहरू नगर, सिंगनल्लूर, एसआईएचएस कॉलोनी, चिन्नियमपलयम, कलापट्टी, कोच्चि पलक्कड़ रोड,

पोथनूर, सुंदरपुरम और ईचनेरी जैसे प्रमुख शहरी हिस्सों में 48 घंटों के लिए रेड जोन नियम लागू किए हैं। जिले भर में लगभग 5,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और हवाई अड्डे तथा आसपास के क्षेत्रों में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की गई है। उन्नत निगरानी प्रणालियों के उपयोग से निगरानी बढ़ा दी गई है और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रवेश को सख्ती से नियंत्रित किया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव से पहले अपने प्रचार कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री कोयंबटूर में विमान से पहुंचने और फिर हेलीकॉप्टर से केरल के लिए रवाना होने वाले हैं

केरल में 9 अप्रैल को चुनाव होने वाले हैं और राज्य भर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। अपनी यात्रा के तहत, प्रधानमंत्री मोदी पलक्कड़ और त्रिशूर जिलों में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करेंगे उनके दोपहर करीब 2:30 बजे पलक्कड़ पहुंचने की संभावना है और इसके तुरंत बाद वे फोर्ट ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। दिन में आगे वे लगभग 4 बजे त्रिशूर के लिए रवाना होंगे, जहां वे एक रोड शो में भाग लेंगे। त्रिशूर में प्रधानमंत्री केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की पुत्री पद्मजा वेणुगोपाल के समर्थन में प्रचार करेंगे, जिससे इस यात्रा का राजनीतिक महत्व और भी बढ़ जाएगा। चुनाव प्रचार के महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश करने के साथ ही इस हाई-प्रोफाइल अभियान से राज्य में एनडीए की दृश्यता बढ़ने की उम्मीद हैं।

नरक में स्वागत है...

ईरान की अमेरिका को खुली चेतावनी, कहा- अमेरिकी सैनिक आए तो ताबूतों में लौटेंगे

ईरान के प्रमुख अंग्रेजी अखबार 'तेहरान टाइम्स' ने शनिवार को अपने फ्रंट पेज पर "Welcome to Hell" नरक में स्वागत है, लिखकर कड़ा संदेश दिया है कि अमेरिकी सैनिकों के कदम रखते ही ईरान पलटवार करेगा। अखबार में स्पष्ट कहा गया कि अगर अगर विदेशी सैनिक ईरानी जमीन पर कदम रखते हैं, तो वो सिर्फ 'ताबूतों में ही लौटेंगे।' इसके साथ ही ईरान ने खाड़ी के देशों को भी चेतावनी दी है कि वे अपनी जमीन का इस्तेमाल अमेरिका को न करने दें।

ईरान के तेल निर्यात पर अमेरिकी रणनीति खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका द्वारा मिडिल ईस्ट में भेजे गए अतिरिक्त सैनिकों का उद्देश्य ईरान के रणनीतिक खार्क द्वीप की घेराबंदी करना हो सकता है। यह द्वीप ईरान के लगभग 90% कच्चे तेल के निर्यात का केंद्र है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप प्रशासन इस द्वीप पर नियंत्रण स्थापित कर ईरान को आर्थिक रूप से कमजोर करना चाहता है और उसे 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य' खोलने के लिए मजबूर करना चाहता है।

ट्रंप की शांति वार्ता और जमीन पर तैयारी

हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप सोशल मीडिया पर 'शांति वार्ता' की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन पर सैनिकों की संख्या बढ़ रही है, जो कुछ और ही दिखा रही है। पेंटागन के अधिकारी कहते हैं कि ये तैनाती सिर्फ 'रक्षात्मक विकल्प' है, लेकिन 82वीं एयरबोर्न डिवीजन और टैंकों वाली यूनिट्स की सक्रियता कोई बड़ा जमीनी ऑपरेशन का संकेत दे रही है।

अपने ही देश में घिरे डोनाल्ड ट्रंप! अमेरिका में 'नो किंग्स' विरोध प्रदर्शन, ईरान युद्ध के बीच क्यों हो रहा बवाल?

अमेरिका को No Kings नाम से बड़े लेवल पर प्रदर्शन हुए. ये प्रदर्शन डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, बढ़ती महंगाई और ईरान के साथ चल रहे तनाव के खिलाफ किए गए. ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के लगभग हर हिस्से में लोग सड़कों पर उतरे. बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और गांवों तक, हर जगह लोगों ने मार्च निकाला और अपनी नाराजगी जताई. इन प्रदर्शनों में लोग नारे लगा रहे थे, पोस्टर लेकर चल रहे थे और कई जगह गाना-बजाना और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए न्यूयॉर्क सिटी में प्रदर्शनकारी मिडटाउन मैनहटन से मार्च करते हुए आगे बढ़े. यहां लोगों ने इमिग्रेशन नीति, ट्रंप सरकार और ईरान से जुड़े मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाई. वहीं सैन फ्रांसिस्को में लोग एम्बारकाडेरो प्लाजा से लेकर सिविक सेंटर प्लाजा तक मार्च करते नजर आए. यहां अमेरिकी झंडों के साथ-साथ यूक्रेन और ट्रांसजेंडर अधिकारों के समर्थन में भी बैनर देखे गए. सेंट पॉल में एक बड़ी रैली हुई, जिसमें मशहूर गायक ब्रूस स्प्रिंग्सटीन ने प्रस्तुति दी. उन्होंने मिनेसोटा को पूरे देश के लिए प्रेरणा बताया और लोगों के हौसले की तारीफ की. उन्होंने जनवरी में मारे गए एलेक्स प्रीटी और रेनी गुड को भी याद किया. ये दोनों इमिग्रेशन कार्रवाई के दौरान मारे गए थे, जिसके बाद पूरे देश में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई थी।

टिम वाल्ज़ ने की आलोचना

टिम वाल्ज़ ने भी इन कार्रवाइयों की आलोचना की और कहा कि सरकार की सख्त नीति से लोगों में नाराजगी बढ़ी है. बताया जा रहा है कि No Kings प्रदर्शन की यह तीसरी बड़ी लहर है. इससे पहले भी ऐसे प्रदर्शन हो चुके हैं, जिनमें लाखों लोग शामिल हुए थे. इन प्रदर्शनों के पीछे बढ़ती महंगाई, ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार जैसे कारण भी बताए जा रहे हैं, जो मिडिल ईस्ट में चल रहे

तनाव से जुड़े हुए हैं. हालांकि वेस्ट पाम बीच में कुछ जगह ट्रंप समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच बहस भी हुई, लेकिन ज्यादातर जगहों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे।

श्रीराम नवमी पर 'प्राकट्य पर्व' का हुआ आयोजन भक्तिमय हुआ

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन शहडोल के सहयोग से श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर श्रीराम जानकी (पंचायती) मंदिर, शहडोल में एक दिवसीय 'प्राकट्य पर्व' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बघेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और श्रीराम की महिमा का सुमधुर संगम देखने को मिला, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन मानव समाज के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक के रूप में सदैव प्रेरणास्रोत रहा है।

उन्होंने कहा कि श्री राम का चरित्र हमें सत्य, धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। एक आदर्श पुत्र के रूप में उन्होंने अपने पिता के वचन की मर्यादा रखी, एक आदर्श पति के रूप में पत्नी के प्रति समर्पण दिखाया, और एक आदर्श राजा के रूप में प्रजा के कल्याण को सर्वोपरि रखा।

श्रीमती सिंह ने कहा कि भगवान श्री राम के आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने प्राचीन काल में थे। उनका जीवन हमें समाज में नैतिक मूल्यों, भाईचारे और न्याय की स्थापना का संदेश देता है। ऐसे आदर्श सदैव समाज

को प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, जनपद अध्यक्ष सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल, एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया । कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले दलों के कलाकारों का अतिथियों ने माल्यार्पण से स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत रीवा से आईं सुविख्यात लोकगायिका सुश्री रीता तिवारी एवं उनके साथियों द्वारा बघेली लोकगायन से हुई। उन्होंने सोहर, बधाई, गैलहाई, बनरा एवं बेलनहाई, देवी गीत, विवाह गीत जैसे पारंपरिक गीतों के माध्यम से भगवान श्रीराम और माता जानकी के प्रति अगाध श्रद्धा को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। उनके गायन ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात अखण्ड सुदर्पण जन कल्याण समिति, खंडवा द्वारा 'हनुमान लीला' की प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी गई। इसमें भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी के जीवन प्रसंगों श्रीराम से मिलन, सुग्रीव संधि, लंका गमन, माता सीता की खोज एवं रावण के अहंकार के दमन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। अंत में श्री हनुमान चालीसा एवं श्रीराम-हनुमान वंदना के साथ प्रस्तुति का समापन हुआ। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में भोपाल की प्रसिद्ध गायिका सुश्री भारती विश्वनाथन ने भक्ति गायन प्रस्तुत कर वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। उन्होंने 'राम ही तन में, राम ही मन में', 'भजमन राम चरण सुखदाई' जैसे भजनों के माध्यम से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनन्द राय सिन्हा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आरके मंगलानी, नोडल अधिकारी श्री अमरनाथ सिंह, सहायक नोडल अधिकारी श्री विवेक पाण्डेय, प्रियम त्रिपाठी, गोपाल शर्मा सहित गणमान्य नागरिक, पत्रकार तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। भक्ति, संगीत व नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से शहडोल पूरी तरह राममयी हो गया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का भी सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।

लोकसभा क्षेत्र

भितरवार विधानसभा के ग्राम लधवाया में क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर क्रिकेट में हाथ आजमाया और आखिरी में आयोजकों को अच्छे खेल आयोजन के लिए शुभकामनायें दी। इस अवसर पर ग्वालियर ग्रामीण भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत जी,जिला पंचायत सदस्य श्री केशव बघेल जी,जिला महामंत्री श्रीमती अनीता खेमरिया जी,मंडल अध्यक्ष श्री कुलवंत बंजारा जी ,पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री फूल सिंह कुशवाह जी एवं पार्टी कार्यकर्तागण एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुस्लिम समाज द्वारा राम भक्तों पर हुई पुष्प वर्षा गले मिल राम नवमी की दी बधाई

प्रदीप सिंह बघेल

एक ओर जहां देश में हिन्दू मुस्लिम हो रहा है देश के विभिन्न हिस्सों से अक्सर तनाव की खबरें आती हैं। वहीं मध्य प्रदेश के शहडोल में एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरती को जीवंत कर दिया। चैत्र नवरात्रि और रामनवमी के अवसर पर सोहागपुर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा का मुस्लिम समुदाय ने दिल खोलकर स्वागत किया, जिसने पूरे प्रदेश का दिल जीत लिया।

रामनवमी की शोभायात्रा के साथ ईद के बाद का पहला जुमा

संयोग ऐसा था कि शुक्रवार को रामनवमी की शोभायात्रा के साथ-साथ ईद के बाद का पहला जुमा भी था। सोहागपुर गढ़ी बाजार स्थित जामा मस्जिद के पास जैसे ही भगवान राम की शोभायात्रा पहुंची। वहां मौजूद मुस्लिम भाइयों ने हिंदू भाई-बहनों का स्वागत फूलों की वर्षा के साथ किया। वातावरण जय श्री राम के जयकारों और आपसी प्रेम की खुशबू से सराबोर हो गया। गढ़ी बाजार स्थित जामा मस्जिद के पास, जहां एक ओर जुमे की नमाज अदा की जा रही थी, वहीं दूसरी ओर शोभायात्रा के स्वागत के लिए मुस्लिम समाज के लोग खड़े नजर आए। नमाज के दौरान ही श्रद्धा और सम्मान के साथ शोभायात्रा पर फूलों की वर्षा की गई मुस्लिम भाइयों ने हिंदू श्रद्धालुओं को शरबत पिलाया, मिठाई खिलाई और गले मिलकर रामनवमी की बधाई दी l इस अनूठे नजारे ने पूरे शहर को भावुक कर दिया। स्थानीय कांग्रेस नेता और पूर्व पार्षद सुफियान खान के नेतृत्व में सैकड़ों महिला-पुरुष और युवाओं ने इस आयोजन में भाग लेकर सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। खास बात यह रही कि यह दिन ईद के बाद पहला जुम्मा भी था, फिर भी दोनों समुदायों ने एक-दूसरे के पर्व का सम्मान करते हुए भाईचारे की मिसाल पेश की। वहीं सोहागपुर थाना पुलिस की भूमिका भी सराहनीय रही, थाना प्रभारी अरुण पांडे के मार्गदर्शन में पहले से ही रूट तय कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ पूर्व में बैठक कर आपसी सहमति बनाई गई थी, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। शहडोल की यह तस्वीर न सिर्फ जिले, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक संदेश है कि आपसी प्रेम, सम्मान और एकता से ही समाज मजबूत बनता है और आपसी भाईचारा बढ़ता है l

रणजीत टाइम्स

विराट भगवा यात्रा का आयोजन

हनुमान जयंती पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा

इंदौर शहर में आगामी हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर एक विशाल विराट भगवा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य धार्मिक आयोजन 02 अप्रैल 2026, गुरुवार, शाम 4 बजे से प्रारंभ होगा। इस यात्रा का शुभारंभ श्रीराम जानकी मंदिर (मयूर हॉस्पिटल के पीछे, सूरज नगर) से होकर बाहरी पत्थर हनुमान मंदिर तक किया जाएगा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

यात्रा में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और बजरंगबली की आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और धार्मिक उत्साह का विशेष आकर्षण रहेगा। आयोजकों ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। आयोजकों द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस भगवा यात्रा में किसी भी प्रकार का चंदा नहीं लिया जाएगा। श्रद्धालुओं की उपस्थिति ही उनके लिए सबसे बड़ा सहयोग है। इस आयोजन के मुख्य आयोजक गदाधारी सेवक भारत सिलावट एवं तेजकुमार सिलावट हैं, जिनके साथ कई समाजसेवी और सहयोगी इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

मीडिया सहयोगः रणजीत टाइम्स

अपीलः सभी श्रद्धालु समय पर पहुंचकर इस भव्य भगवा यात्रा में शामिल हों और धर्म एवं संस्कृति के इस उत्सव का हिस्सा बनें।

इंदौर दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध प्रदायक एवं दुग्ध उत्पादकों के लिए swaksh दुग्ध उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

खुशबू श्रीवास्तव

मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय के निर्देशन में भारत सरकार द्वारा संचालित National Programme for Dairy Development (NPDD) योजना अंतर्गत इंदौर सहकारी दुग्ध संघ से संबंधित झाबुआ मिनी डेयरी प्लांट अंतर्गत कार्यरत दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायक सदस्यों हेतु स्वच्छ दूध उत्पादन विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 198 किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को दुग्ध संघ द्वारा जिला सहकारी संघ के माध्यम से सम्पन्न कराया गया। उक्त कार्यक्रम में किसान/दुग्ध प्रदायक सदस्यों/ दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध समितियों से जुड़ने के लाभ, स्वच्छ दूध उत्पादन

की प्रक्रिया, आय में वृद्धि की जानकारी के साथ-साथ दुग्ध प्रदायकों को पशु के रखरखाव, पशुओं के लिए सुदाना आहार एवं मिनरल मिक्चर के लाभ, समिति संचालन में दुग्ध उत्पादकों की भूमिका एवं दुग्ध संघ द्वारा किसानों के हित के लिये चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी।

युद्ध संकट में संयम और शांति की अपील-प्रमोद धनेले

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर। राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर प्रमोद धनेले ने अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते वैश्विक तनाव पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए जनता से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। प्रमोद धनेले ने कहा, "मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दोनों देशों के बीच जो भी विवाद है, वह जल्द खत्म हो। युद्ध कभी किसी समस्या का हल नहीं होता, यह केवल विनाश लाता है। युद्ध की आहट से तेल की कीमतें बढ़ने का डर है, जिससे ग्वालियर में राशन और निर्माण सामग्री (सरिया-सीमेंट) के दाम बढ़ सकते हैं। इसका सीधा और सबसे बुरा असर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ेगा। सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों से दूर रहें। नकारात्मकता और डर का माहौल केवल समाज का नुकसान करता है।

प्रमोद धनेले ने अपने अनुभव और जीवन दर्शन को साझा करते हुए एक बहुत बड़ी बात कही- "अहंकार में हम उम्र भर दूसरों को चलाने की जिद पालते रहे, पर खुद को न संभाल सके; अंत में यही मलाल रहा कि जो 'कर सकते थे' वो किया नहीं, और जो 'बस में नहीं था' उसी में उलझे रहे।" उन्होंने कहा, "3 फरवरी 2022 के एक्सीडेंट ने मुझे सिखाया कि जब हालात खराब हों और हमारे वश में न हों, तब शांत रहकर ही हम खुद को और अपने समाज को सही दिशा दे सकते हैं। "शांति ही प्रगति का एकमात्र मार्ग है।"

फीनिक्स सिटाडेल मॉल में भव्य योग प्रतियोगिता एवं साउंड हीलिंग सेशन का आयोजन

इंदौरः फीनिक्स सिटाडेल मॉल में योग प्रतियोगिता एवं साउंड हीलिंग सेशन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों एवं दर्शकों की उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम केमछो इवेंट्स द्वारा आयोजित किया गया, जिनकी संस्थापक श्रेया अनासाने हैं, जो बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत रहती हैं। कार्यक्रम में विभिन्न योग प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात साउंड हीलिंग सेशन आयोजित किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को मानसिक शांति और तनाव से राहत प्रदान की। इस सेशन को दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया। इस सफल आयोजन में अजय जोशी, शिवानी एवं डॉ. बिनोद का विशेष योगदान रहा, साथ ही टीम डॉ आयुष, भक्ति, और उत्कर्ष जी जैन का भी सहयोग से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंशुल

जैन द्वारा किया गया, जिन्होंने लगभग 10 घंटे तक शानदार एंकरिंग करते हुए पूरे इवेंट को बेहतरीन तरीके से संभाला और दर्शकों को जोड़े रखा। यह आयोजन स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और प्रतिभा को बढ़ावा देने वाला एक सफल प्रयास साबित हुआ

आत्मसाक्षात्कार से चित्त पर नियंत्रण की सहजता प्राप्त होती है

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने आत्मिक उन्नति के माध्यम से व्यक्ति के संपूर्ण विकास व उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। सहजयोग ध्यान चित्त को वर्तमान में प्रतिष्ठित कर परमात्मा से एकाकारिता को प्राप्त करना है। बालक जब इस संसार में जन्म लेता है तो उसका सीधा संबंध परमात्मा से होता है उसका मन व उसकी बुद्धि अबोध होती है क्योंकि वह इस भौतिक संसार से अनभिज्ञ होता है। जैसे जैसे समय व्यतीत होता है इस संसार में व्याप्त माया की पकड़ उसकी बुद्धि पर हावी होने लगती है और वह संसार में व्याप्त साधनों में सुख व प्रसन्नता की खोज करने लगता है। एक इच्छा उत्पन्न होती है फिर दूसरी, तीसरी और फिर यह समाप्त न होने वाला सिलसिला हो जाता है।

यही मिथ्या इच्छाएं हमारे सुख दुख का निर्धारण करने लगती है परंतु कोई भी इच्छा हमें संपूर्णता की ओर नहीं ले जाती हम सदैव अतृप्त रहते हैं, क्योंकि हमारी इच्छाएं मिथ्या अर्थात् असत्य से जुड़ी होती हैं जो हमारे चित्त को भ्रमित करती रहती हैं। श्री माताजी ने अमृतवाणी में इसके बारे में इस प्रकार वर्णित किया है कि,

" बड़े आश्चर्य की बात है कि मानव जितना कुछ मिथ्या है, उसे कितने जोर से पकड़ लेता है और सत्य को पकड़ने में कितना कतराता है, जितनी जल्दी मिथ्या हमारे अंदर से मिटता जाता है उतने ही जल्दी हम लोग चित्त को हल्का कर लेते हैं, सहजयोग में यही चित्त जो है, परमेश्वर से जाके भिड़ता है, यही चित्त उस सर्वव्यापी परमेश्वर के प्रकाश में जाके डूब जाता है, यही मानव का चित्त जो कि हम प्रकृति का एक रूप समझते हैं, प्रकृति का ये जो फूल है वो परमात्मा के प्रेम में विसर्जित हो जाता है, लेकिन ये चित्त कितना बोझिल है, कितना अव्यवस्थित है कभी-कभी देखते ही बनता है, सहजयोगी की पहचान एक ही है कि आप कितने आनंद में उतरे हैं, आप कितने शान्ति में उतरे हैं, आप कितने प्रेम में उतरे हैं, मिथ्या पे रहने वाले लोग सहजयोग को नहीं प्राप्त कर सकते हैं।" "जैसे राखहुं तैसे ही रहूँ", सहजयोगी अगर इतना करलें कि जैसे भी रखो मंजूर है हमें, हरेक चीज में, हर परिस्थिति में आनंद आ सकता है। (21 दिसम्बर 1975) सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने पर हमें अपने चित्त पर नियंत्रण की सहजता प्राप्त हो जाती है और सत्य की पहचान स्वतः ही होने लगती है। सहजयोग पूर्णतया निशुल्क है। सहजयोग से संबंधित जानकारी टोल फ्री नं - 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

झाबुआ मुस्लिम समाज ने कादिम और उनकी पत्नी को उमरा पर किया रवाना

सलीम हुसैन

झाबुआ हज़रत दीदार शाह वाली उमराह कमेटी झाबुआ की जानिब से जामा मस्जिद के खादिम ज़ाकिर शाह और उनकी एहलीया को उमराह के लिए मक्का मदीने शरीफ जियारत के लिए कमेटी और आवाम की जानिब से इस्तकबाल किया गया कार्यक्रम आयोजन जिसमें आयोजन में प्रधारे पूर्व केन्द्र मंत्री कांतिलाल भूरिया और पूर्व नागर पालिका अध्यक्ष धन सिंह बारिया उनकी पत्नी पार्षद बसंती बारिया और समाज सेविक यशवंत भंडारी कांग्रेस युवा अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राठौड़ बब्लू कटारा वॉड 2 के पार्षद करीम शेख गोलू कुरैशी युसूफ बाबा गयासुद्दीन शेख मौलना वली मोहम्मद अहमद अली अबजल अंसारी यूसुफ खत्री परवेज शेख और उमराह कमेटी के सदर जेनूद्दीन शेख आदिम मुस्लिम समाज ने इस्तकबाल किया गया कार्यक्रम का आभार हाजी समीद्दीन सैय्यद ने किया गया।

किसानों के ऋण चुकाने की सीमा बढाये सरकार-डॉ विक्रांतभूरिया

मुख्यमंत्री एवं सहकारीता मंत्री को लिखा पत्र

सलीम हुसैन

झाबुआ-28 मार्च म0प्र0 की भाजपा सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि सहकारी संस्थाओं के ऋण जमा करने अन्तिम दिनांक 28 मार्च निर्धारित की गई है, साथ ही किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 1 अप्रेल 2026 से प्रारंभ करने की तिथि निर्धारित की गई है। उक्त निर्णय बिल्कुल गैर जिम्मेदाराना है किसान कैसे कर्ज चुकायेगा एक ओर सरकार किसानों की आय दोगुनी होने का दावा करती है किन्तु धरातल पर किसानों की आर्थिक स्थिति अत्यन्त दयनीय है। जब किसान फसल बेच ही नहीं पायेगा तो ऋण कैसे चुकायेगा। उक्त बात झाबुआ विधायक एवं आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने कही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने बताया कि झाबुआ विधायक डॉ भूरिया द्वारा मुख्यमंत्री एवं सहकारीता मंत्री से इस सबंध में पत्र लिखकर मांग की है कि ऋण जमा करने की अवधि तत्काल 15 मई 2026 की जावे। इस सबंध में डॉ भूरिया ने बताया कि इस वर्ष बैमौसम की बरसात में फसलों को नुकसान हुआ है साथ ही गेहू कटाई में भी विलंब हुआ है। एक ओर जहां सरकार किसानों को ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने की बात कहती है वहीं जमीन हकिकत और कुछ बया करती है सरकारी आदेश किसानों के लिए संकट खडा कर रहे है। विशेषकर झाबुआ जिला आदिवासी बहुल जिला है यहां किसानों के पास कम कृर्षि भूमी है तथा उसी से उनका जीवन यापन होता है । यदि किसानों ने 28 मार्च तक ऋण नहीं चुकाया तो वह डिफाल्टर की श्रेणी में आयेगा तथा उसे मंहगा ब्याज भी देना होगा जिससे उसे दोहरी मार पडेगी उससे उनकी आर्थिक स्थिति ओर खराब होगी। डॉ भूरिया ने यह भी कहा केवल किसानों को ही नुकसान नहीं होगा इससे सहकारीता संस्थाओं की परेशानी बढेगी।

डॉ भूरिया एवं जिला कांग्रेस के पदाधिकारी संगठन प्रभारी शंकर भूरिया, कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य मानसिंह मेडा, हेमचन्द्र डामोर, काना गुण्डिया, हेमेन्द्र बबलू कटारा,ब्लाक अध्यक्ष खुना गुण्डिया, कैलाश डामोर,सुरेन्द्र गरवाल,याामीन शेख, शाबीर फिटवेल, किसान कांग्रेस के अकमाल डामोर,युवक कांग्रेस अध्यक्ष नटवर डोडियार, एनएसयुआई अध्यक्ष नरवेश अमलियार,महिला कांग्रेस श्वेता मोहनिया,आईटी सेल अध्यक्ष वसीम सैयद ब्लाक अध्यक्ष खुना गुण्डिया,शहर अध्यक्ष जितेन्द्रसिंह राठौर,जनपद उपाध्यक्ष शीला भूरिया, हेमेन्द्र बबलू कटारा,लोकेन्द्र बिलवाल, आयुष ओहारी,पुनीत भानपुरिया, सहित समस्त कांग्रेस पदाधिकारीयों ने आरोप लगाया है कि सरकार की गलत नीतियों एवं प्रशासनीक कमीयों से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है क्योंकि सरकार के पास खरीदी केन्द्र की तैयारी नहीं है बारदानों की कमी है ऐसी स्थिति में खरीदी प्रारंभ नहीं हुई है।

सूखे कचरे से बनेगा कोयला, ट्रायल शुरू

400 टन कचरे का निपटारा कर सकेगा प्लांट, पीपीपी मोड में 220 करोड़ से बना

भोपाल (नप्र)। भोपाल के आदमपुर छावनी में सूखे कचरे से कोयला बनेगा। यहां पर पीपीपी मोड में 220 करोड़ रुपए से टोरिफाइड चारकोल प्लांट स्थापित किया गया है। इसके जरिए 400 टन सूखे कचरे का निपटारा हो सकेगा। इसका ट्रायल भी शुरू कर दिया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर निगम सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल पर खरा उतरने जा रहा है। शहर से निकलने वाले सूखे कचरे के पूरे निपटारे के टारगेट को पूरा करने के लिए आदमपुर खंती में नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन (एनटीपीसी) के माध्यम से टोरिफाइड चारकोल प्लांट लगा है। इसका ट्रायल रन प्रारंभ कर दिया गया है। इस प्लांट के माध्यम से प्रतिदिन 400 टन सूखे कचरे से टोरिफाइड चारकोल का निर्माण किया जाएगा। यहां निर्मित टोरिफाइड चारकोल को एनटीपीसी स्वयं के उपयोग में लेगी। कल निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने इसका निरीक्षण भी किया।

निगम ने 800 टन कचरा दिया- निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने बताया कि 12 अक्टूबर 2021 को आदमपुर में सूखे कचरे से टोरिफाइड चारकोल प्लांट के निर्माण एवं संचालन के लिए एग्रीमेंट किया गया था। इस प्लांट में रोजाना 400 टन सूखे कचरे से टोरिफाइड चारकोल का निर्माण किया

जाएगा। प्लांट के ट्रायल रन के लिए 3 दिवस में निगम द्वारा 800 टन सूखा कचरा टोरिफाइड चारकोल प्लांट को दिया गया है। पूरे ट्रायल रन में करीब 1800 टन सूखे कचरे को प्रोसेस किया जाएगा।

निगम को बचत होगी

पीपीपी मोड पर लगभग 220 करोड़ रुपए की लागत से आदमपुर छावनी में 15 एकड़ भूमि पर एनटीपीसी ने यह प्लांट स्थापित किया है। प्लांट के संचालन से निगम को सूखे कचरे के निष्पादन पर व्यय होने वाली राशि की बचत होगी और नया लेगसी तैयार नहीं हो पाएगा।

बनारस के बाद भोपाल में ही लगा है प्लांट

निगम कमिश्नर जैन को एनटीपीसी के अधिकारियों ने बताया कि बनारस के बाद भोपाल में देश का दूसरा ऐसा शहर है, जिसने टोरिफाइड चारकोल प्लांट स्थापित करने के लिए अनुबंध किया था। बनारस के प्लांट के संचालन के अनुभव एवं कार्य व्यवहार से सीख लेकर भोपाल के संयंत्र में अपग्रेड टेक्नालॉजी का उपयोग किया गया है। यह प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश में अपने किस्म का पहला प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से नगर निगम हर रोज सूखे कचरे का निपटारा कर सकेगा।

000

महिला से इंस्टाग्राम फ्रेंड ने रेप किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मंगलवारा इलाके महिला के साथ इंस्टा फ्रेंड ने रेप किया। आरोपी ने पीड़िता को मिलने के बहाने बुलाया और होटल ले गया। जहां उसने महिला को करीब तीन घंटे तक बंधक बनाए रखा। घटना शुक्रवार की रात करीब 11.30 बजे की है। तब पीड़िता अस्पताल में भर्ती एक रिश्तेदार की तबीयत देखकर लौट रही थी। महिला के पति और परिजनों ने पहले गैंग रेप के आरोप लगाए थे। पीड़िता के बयानों में गैंग रेप की पुष्टि नहीं हुई। जिसके बाद पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। जल्द उसकी गिरफ्तारी करने के दावे पुलिस कर रही है। 29 वर्षीय महिला थाना टीला जमालपुर इलाके में रहती है। उसके करीबी रिश्तेदार की तबीयत खराब है, जिसे भोपाल के मालीपुरा स्थित चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला शुक्रवार की रात करीब 11.30 बजे अस्पताल में भर्ती रिश्तेदार को देखकर घर के लिए लौट रही थी। रास्ते में उसके इंस्टाग्राम फ्रेंड हारिस खान का कॉल आया। हारिस ने महिला पर तत्काल मिलने के लिए दबाव बनाया नहीं मिलने की हालत में उसे बदनाम करने की धमकी दी। तब पीड़िता ने आरोपी को बताया कि मनोहर डेयरी के पीछे से गुजर रही है।

भोजशाला पहुंचे हाईकोर्ट जज, 53 मिनट तक किया निरीक्षण

2 अप्रैल की सुनवाई से पहले अहम दौरा, एएसआई सर्वे रिपोर्ट पर सभी पक्षों की नजरें टिकी

धार (नप्र)। धार की ऐतिहासिक भोजशाला में शनिवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला पहुंचे, जहां उन्होंने परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। आगामी 2 अप्रैल को होने वाली अहम सुनवाई से पहले इस दौरे को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोपहर 1 बजकर 52 मिनट पर न्यायाधीश सीधे भोजशाला परिसर पहुंचे। उनके साथ कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी भी मौजूद रहे। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच न्यायाधीश ने करीब 53 मिनट तक परिसर में रहकर हर हिस्से का बारीकी से मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भोजशाला के विभिन्न हिस्सों, स्तंभों, शिलालेखों और संरचना को ध्यानपूर्वक देखा तथा इसके इतिहास और वास्तुकला से जुड़ी जानकारी ली। प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किए गए कार्यों और वर्तमान व्यवस्थाओं से भी अवगत कराया।

2 अप्रैल को होना है अगली सुनवाई- गौरतलब है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा लगभग 98 दिनों तक किए गए सर्वे की रिपोर्ट उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की जा चुकी है और इसकी प्रतियां सभी पक्षकारों को उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। 16 मार्च को इंदौर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान पक्षकारों से दावे और आपत्तियां मांगी गई थीं, उसी दौरान न्यायाधीश ने स्थल का निरीक्षण करने की बात कही थी। भोजशाला को लेकर चल रहे कानूनी विवाद और वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांगों के बीच अब इस दौरे के बाद सभी की निगाहें 2 अप्रैल को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हुई हैं, जहां मामले में महत्वपूर्ण दिशा मिल सकती है।

अब पेड़ काटने की अनुमति वन विभाग देगा

भोपाल (नप्र)। मप्र के सभी 413 नगरीय निकायों में अब निजी या सरकारी जमीन पर पेड़ों के कटाई की परमिशन जिला प्रशासन या नगर निगम के अधिकारी नहीं दे सकेंगे। राज्य सरकार ने नगरीय निकाय और जिला प्रशासन के अधिकारियों से यह अधिकार छीनकर वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिए हैं। प्रदेश में अब कहीं भी पेड़ काटने या पेड़ों की छंटाई की परमिशन वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारी (फॉरेस्ट रेंजर) से लेनी होगी। यदि वह परमिशन नहीं देता है तो उसकी अपील उप वनमंडल अधिकारी (एसडीओ फॉरेस्ट) के पास करनी होगी। राज्य सरकार ने मप्र वृक्षों का परिरक्षण (नगरीय क्षेत्र) अधिनियम, 2001 की धारा-4 और धारा-9 की शक्तियों का उपयोग करते फॉरेस्ट रेंजर को ट्री-ऑफिसर और उप वन मंडल अधिकारी (एसडीओ) को अपीलीय अधिकारी के रूप में अधिसूचित कर दिया है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने फरवरी माह में एक जनहित याचिका पर राज्य सरकार को आदेश दिए थे कि जिला कलेक्टरों को ट्री-ऑफिसर की नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं हैं। यह अधिकार सिर्फ राज्य सरकार को है। इसी याचिका में हाई कोर्ट ने प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मनमाने ढंग से इंदौर शहर के एमओजी लाइंस प्रोजेक्ट में हरे-भरे पेड़ों को काटने की अनुमति को रद्द किया गया था। कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि वह वन सेवा के अधिकारियों को ही ट्री ऑफिसर के रूप में नियुक्त करें।

प्रदेश में 29 मार्च से लगातार 3 दिन बारिश

भोपाल-उज्जैन समेत 40 जिलों में अलर्ट, आंधी भी चल सकती है

भोपाल (नप्र)। शुक्रवार शाम सतना के चित्रकूट में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। यहां 21 लाख दीप जलाए जाने थे, लेकिन बारिश से अधिकांश दीपों में पानी भर गया। मध्य प्रदेश में 29 मार्च से आंधी-बारिश का एक मजबूत सिस्टम एक्टिव होने जा रहा है। इसका असर करीब 3 दिन तक रहेगा। इस दौरान भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत लगभग 40 जिलों में बारिश और तेज हवा चलने का अलर्ट है। हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। हालांकि, 28 मार्च (शनिवार) को प्रदेश में गर्मी का असर ज्यादा था। नर्मदापुरम में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है और लू जैसे हालात बने रहे।

पहले भी बदला था मौसम, अब नया सिस्टम आएगा

शुक्रवार को साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की वजह से ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर और जबलपुर संभाग के कई जिलों में बादल छाए रहे और मौसम बदला हुआ नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम शनिवार तक कमजोर हो जाएगा, जिससे गर्मी बढ़ेगी। इसके बाद 29 मार्च से नया सिस्टम एक्टिव होगा, जिसका सबसे ज्यादा असर 30 और 31 मार्च को देखने को मिलेगा। सतना के चित्रकूट में शुक्रवार शाम तेज आंधी और बारिश हुई, जिससे रामनवमी का आयोजन प्रभावित हो गया। यहां 21 लाख दीप जलाने की तैयारी थी, लेकिन बारिश से ज्यादातर दीप बुझ गए और मंच को तिरपाल से ढकना पड़ा।

कैग रिपोर्ट में खुला यमुना की दुर्दशा का कच्चा चिट्ठा, जल मंत्री बोले- सुधार के लिए शुरू हो चुका है काम

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना की खराब हालत और पानी-सीवर व्यवस्था की कमजोरियों को लेकर कैग रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 200 एमजीडी से ज्यादा बिना ट्रीटमेंट का सीवेज सीधे यमुना में जा रहा है, जबकि 1000 से अधिक कॉलोनियां अब भी सीवर नेटवर्क से बाहर हैं। इस मुद्दे पर जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने माना कि वर्षों से चली आ रही व्यवस्थागत कमियों के कारण हालात बिगड़े हैं, लेकिन अब सरकार ने सुधार के लिए ठोस और समयबद्ध योजना पर काम शुरू कर दिया है।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली को करीब 1200 एमजीडी पानी की जरूरत है, जबकि सप्लाई लगभग 1000 एमजीडी ही हो रही है। इसके अलावा नॉन-रेवेन्यू वाटर लॉस 45 से 53 फीसदी तक पहुंच गया है, जो सिस्टम की बड़ी कमजोरी को दिखाता है। करीब 30 लाख घरों में नियमित जल कनेक्शन नहीं होने से समस्या और बढ़ रही है। मंत्री ने कहा कि यमुना की सफाई का सबसे बड़ा रास्ता बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज को रोकना है। इसके लिए 35 नए और अपग्रेडेड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे और ट्रीटमेंट क्षमता 1500 एमजीडी तक बढ़ाई जाएगी। नजफगढ़ नाले समेत बड़े नालों का इन-सीटू ट्रीटमेंट भी योजना में शामिल है। उन्होंने दावा किया कि अगले 2 से 2.5 साल में ट्रीटमेंट क्षमता जरूरत से ज्यादा हो जाएगी। सीवर नेटवर्क को लेकर भी सरकार ने बड़ा लक्ष्य रखा है। अभी करीब 20 लाख घर इससे बाहर हैं। सरकार 1799 अनधिकृत कॉलोनियों तक सीवर लाइन पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है।

पिछले एक साल में 180 किलोमीटर से ज्यादा नई लाइन बिछाई गई है और 400 से अधिक कॉलोनियों में काम जारी है। सेप्टिक टैंक सिस्टम में गड़बड़ियों को खत्म करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड नई पारदर्शी व्यवस्था ला रहा है। इसमें डिजिटल बुकिंग और अपने टैंकर शामिल होंगे।

जल बोर्ड को 4988 करोड़ का नुकसान

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी कैग रिपोर्ट के अहम बिंदु सदन में रखे। उन्होंने बताया कि जल नीति का अभाव, परियोजनाओं में देरी, भूजल प्रबंधन की कमी और करीब 4988 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान जैसे गंभीर मुद्दे सामने आए हैं। अध्यक्ष ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि रिपोर्ट पर तय समय में एक्शन टेकन नोट दें, ताकि संबंधित समितियां जांच शुरू कर सकें। दिल्ली के सरकारी विश्वविद्यालयों की हालत पर कैग रिपोर्ट ने कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। कुछ विश्वविद्यालयों की हालत बेहद खराब है। दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी आज भी एक स्कूल की बिल्डिंग में चल रही है, जबकि तीन विश्वविद्यालयों में कुल मिलाकर केवल तीन छात्र ही दाखिल हैं। पिछले साल भी यह संख्या सिर्फ 20 थी। इसी तरह दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सीमित कमरों में चल रही है और वहां पढ़ने वाले छात्रों के भविष्य को लेकर भी स्पष्टता नहीं है। विधानसभा में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि रिपोर्ट से साफ है कि पिछले वर्षों में उच्च शिक्षा व्यवस्था में गंभीर गड़बड़ियां रही हैं। दिल्ली विधानसभा में 2018 से 2023 के बीच विश्वविद्यालयों के कामकाज पर आई कैग रिपोर्ट को लेकर सरकार ने बड़ा खुलासा किया। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सदन में कहा कि रिपोर्ट ने विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली, नीतियों और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट में वित्तीय कुप्रबंधन, मानव संसाधन की कमी और अकादमिक स्तर पर कमजोरियों को साफ तौर पर उजागर किया गया है। कई फैसले बिना योजना के लिए गए, जिनका असर आज भी दिख रहा है। दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि पॉलिटेक्निक संस्थानों को इसमें शामिल तो कर दिया गया, लेकिन इससे छात्रों और शिक्षकों के सामने अनिश्चितता पैदा हो गई। कई जगह छात्र और शिक्षक दोनों विरोध कर रहे हैं। कैग रिपोर्ट से पता चला कि 16 साल तक एडमिशन सिस्टम सही तरीके से काम नहीं किया। न स्पष्ट एडमिशन पॉलिसी थी, न माइग्रेशन का सिस्टम। पांच साल तक विश्वविद्यालयों के ऑडिटेड अकाउंट्स भी सदन में पेश नहीं किए गए।

क्या कार्रवाई की गई है, और कैसे?

टेल्मिसार्टन सहित कई बीपी दवाएं गुणवत्ता टेस्ट में फेल, मरीजों के लिए बढ़ा 'साइलेंट' खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरे देश में, 'टेल्मिसार्टन' हाई ब्लड प्रेशर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवा के कई ब्रांड और बैच सरकारी क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए हैं। भारत सरकार के सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अलग-अलग कंपनियों द्वारा बनाई गई ब्लड प्रेशर की दवाओं में क्वालिटी से जुड़ी कमियां (खास तौर पर, 'घुलने में विफलता ') पाई गई हैं। इससे यह खतरा पैदा हो गया है कि मरीज़ों का ब्लड प्रेशर बिना किसी लक्षण या चेतावनी के अनियंत्रित रह सकता है। आधिकारिक जांच में, टेल्मिसार्टन के कई ब्रांड और बैच 'स्टैंडर्ड क्वालिटी के नहीं' पाए गए। नतीजतन, पूरे देश में एक बढ़ते, खामोश स्वास्थ्य खतरे जो बिना किसी स्पष्ट संकेत के सामने आता है, उसको लेकर चिंताएं और गहरी हो गई हैं। जांच से पता चला कि जहां अलग-अलग कंपनियां इस दवा को अलग-अलग ब्रांड नामों से बनाती हैं, वहीं लगभग दस अलग-अलग दवा निर्माताओं के प्रोडक्ट क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए। इन दवाओं में पाई गई सबसे बड़ी कमी 'घुलने में विफलता' थी। एक ऐसी स्थिति जिसमें दवा शरीर के अंदर ठीक से घुल नहीं पाती है। इसके परिणामस्वरूप, दवा की असरदारता या तो काफी कम हो जाती है या वह पूरी तरह से बेअसर हो जाती है। कुछ मामलों में, जांच में 'एसे विफलता' (एक ऐसी स्थिति जहां दवा में मौजूद असली एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट तय मानक से कम होता है या पूरी तरह से गायब होता है) भी सामने आई। खास बात यह है कि यह समस्या सिर्फ टेल्मिसार्टन तक ही सीमित नहीं है; रिपोर्ट बताती है कि ब्लड प्रेशर की अन्य दवाओं–जैसे एनालाप्रिल,

एटेनोलोल, मेटोप्रोलोल और लैबेटालोल के बैच भी टेस्टिंग के दौरान क्वालिटी मानकों को पूरा करने में फेल रहे। यह साफ है कि यह समस्या किसी एक कंपनी की दवा तक सीमित नहीं है, बल्कि कई निर्माताओं द्वारा बनाए गए दवाओं के बैचों को प्रभावित करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति विशेष रूप से खतरनाक है क्योंकि मरीज़ों को कोई संकेत नहीं मिलता कि उनकी दवा बेअसर है। न तो कोई साइड इफ़ेक्ट दिखाई देते हैं, और न ही कोई तत्काल शारीरिक बदलाव होते हैं जो मरीज़ को सचेत कर सकें। हालांकि, इन दवाओं का लगातार इस्तेमाल करने के बावजूद, मरीज़ का ब्लड प्रेशर अनियंत्रित ही रहता है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है। नियमों के अनुसार, क्वालिटी टेस्ट में फेल हुए दवाओं के बैचों को बाज़ार से वापस मंगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। संबंधित कंपनियों से स्पष्टीकरण माँगे गए हैं; यदि उनकी कोई गलती साबित होती है, तो लाइसेंस रद्द करने, उत्पादन पर रोक लगाने या अन्य कानूनी कार्रवाई जैसी कदम उठाए जाएँगे।

ईरान के चक्रव्यूह में घिरा इस्राइल: हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से भी हुए मिसाइल हमले

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है। इस्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

वेलफेयर फ्रॉड को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने वेलफेयर प्रोग्राम में फ्रॉड पर रोक लगाने के लिए एक फेडरल टास्क फोर्स शुरू की है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि यह समस्या बहुत बड़ी परेशानी बन गई है जिससे टैक्सपेयर का पैसा खत्म हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि सरकार एंटी-फ्रॉड सेफगार्ड्स को फिर से लागू करेगा और फेडरल बेनिफिट प्रोग्राम्स में गलत इस्तेमाल का पता लगाने के लिए क्रॉस-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन लागू करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें फ्रॉड के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा। सालों से मौजूद प्रोटेक्शन बंद कर दिए गए थे और उन्हें फिर से लागू करने की जरूरत थी। हम उन एंटी-फ्रॉड प्रोटेक्शन को फिर से चालू करने जा रहे हैं। '

उन्होंने कहा कि इस कोशिश में पूरी सरकार का नजरिया शामिल होगा, जिसमें स्वास्थ्य, हाउसिंग, कृषि और वित्त के कामों को संभालने वाली एजेंसियों को एक साथ लाया जाएगा ताकि गड़बड़ियों की पहचान की जा सके और इंटेलिजेंस शेयर की जा सके। वेंस ने कहा, 'यह सिर्फ अमेरिकी लोगों के पैसे की चोरी नहीं है, यह उन जरूरी सेवाओं की भी चोरी है जिन पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हैं। '

उन्होंने मिनेसोटा में मेडिकेड से जुड़ी सेवाओं का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि धोखाधड़ी की गतिविधियों के कारण ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित लाखों-करोड़ों

डॉलर का फंड दूसरी जगह भेज दिया गया। बता दें, ऑटिज्म एक एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक बातचीत, सामान्य बातचीत और व्यवहार में चुनौतियां आती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे परिवार हैं जिन्हें इन सेवाओं की जरूरत है, जो इन्हें नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि लोग फ्रॉड स्कीम से अमीर हो रहे हैं।' टास्क फोर्स को लीड कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि फ्रॉड ने सरकारी प्रोग्राम्स पर लोगों का भरोसा खत्म कर दिया है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इसके बड़े नतीजे होंगे। अधिकारी ने कहा, 'स्कैम उस सामाजिक भरोसे को खत्म कर देता है जिस पर ये प्रोग्राम और हमारा पूरा देश निर्भर करता है।' उन्होंने इस संकट को अस्तित्व का खतरा बताया और इससे निपटने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का वादा किया। अधिकारी ने आगे कहा कि टास्क फोर्स अपराधियों पर मुकदमा चलाने और फेडरल बेनिफिट सिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने में न्यायिक विभाग की मदद करेगी। व्हाइट हाउस के सीनियर सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि कई वेलफेयर प्रोग्राम लिमिटेड वेरिफिकेशन के साथ चलते हैं, जिससे गलत इस्तेमाल बढ़ता है। उन्होंने कहा, 'हमारी सभी प्रणालियां एक उच्च-विश्वास वाली समाज के लिए बनाई गई थीं। कुछ मामलों में तो लोगों के नामांकन से पहले किसी तरह का सत्यापन भी नहीं किया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि लोग बिना चेक के बेनिफिट पाने के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से बता सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने इसे अमेरिकी टैक्सपेयर के डॉलर की बड़ी चोरी बताया। मिलर ने पॉलिटिकल विरोधियों पर एनफोर्समेंट मैकेनिज्म को कमजोर करने और ओवरसाइट की कोशिशों का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रोग्राम डेटा की जांच करने की कोशिशों को रोक दिया गया था। वेंस ने कहा कि टास्क फोर्स को कैबिनेट में सभी का समर्थन है और वह जस्टिस विभाग में नए नेतृत्व के साथ मिलकर एंटी-फ्रॉड एनफोर्समेंट को तेज करने के लिए काम करेगी।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई।

ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन

लगभग 70 मिलियन बच्चों पर होगा लागू: इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा।

माता-पिता ने सराहा: 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय '50-50' है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता-पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है।

सिनुराया ने बताया, 'आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है।

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवक्ता क्रिस्टन एल्सोप ने बताया कि कंट्रोलर धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं और उड़ानें जल्द सामान्य हो जाएंगी। यह इस महीने दूसरी बार है जब इसी तरह की रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानों को रोकना पड़ा है। इससे पहले भी करीब एक घंटे के लिए उड़ानें बंद करनी पड़ी थीं।

धोनी 2 हफ्ते आईपीएल से बाहर रह सकते हैं

● मांसपेशियों में खिंचाव, सीएसके ने पोस्ट में जानकारी दी

चेन्नई (एजेंसी)। एमएस धोनी आईपीएल 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रह सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान इस समय मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैब से गुजर रहे हैं। सीएसके की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उन्हें काफ स्ट्रेन, यानी पिंडली में खिंचाव है।

3 मैचों से हो सकते हैं बाहर

अगर धोनी पूरे 2 हफ्ते यानि 14 दिन तक बाहर रहते हैं तो वो कम से कम 3 मैच नहीं खेल पाएंगे। सीएसके का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है। इसके बाद उसका अगला मैच 3 अप्रैल को चेन्नई में पंजाब किंग्स के खिलाफ है। टीम अपना तीसरा मैच 5 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसके ही घर में खेलेगी, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। धोनी इन तीनों ही मैच से बाहर रह सकते हैं। उनकी वापसी 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हो सकती है।

44 साल के धोनी आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

धोनी फिलहाल 44 साल के हैं। वे आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। पिछले सीजन ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होने के बाद उन्हें बीच में ही चेन्नई की कप्तानी करनी पड़ी। उन्होंने टीम को 4 में से 3 मैचों में जीत दिलाई थी।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच धोनी के नाम- आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वे अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं।

आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान

धोनी आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है और 87 मैच जीते हैं।

2023 में आईपीएल फाइनल के बाद हुई थी घुटने की सर्जरी

धोनी ने आईपीएल 2023 के फाइनल के बाद 1 जून को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में घुटने की सर्जरी कराई थी। धोनी का ऑपरेशन डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने किया था।

धोनी की रिटायरमेंट को लेकर 2023 से अटकलें

धोनी इंटरनेशनल क्रिकेट से साल 2020 में संन्यास ले चुके हैं। उनके आईपीएल रिटायरमेंट की अटकलें 2023 से ही लगाई जा रही हैं। ऐसा माना जा रहा था कि साल 2026 धोनी का आखिरी साल होगा।

इंदौर में होगा मुकाबला

11 अक्टूबर को भारत-वेस्टइंडीज के बीच टी-20

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 11 अक्टूबर को सीरीज का तीसरा मैच

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होल्कर स्टेडियम को एक और मैच की मेजबानी मिली है। 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 मैच खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के 2026-27 के घरेलू इंटरनेशनल सीजन का शेड्यूल जारी किया।

आगामी घरेलू सीजन में रोमांचक और एक्शन से भरपूर मुकाबले देखने को मिलेंगे। चार मेहमान टीमें वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया मल्टी फॉर्मेट क्रिकेट खेलने के लिए भारत आएंगी। इस सीजन में 17 शहरों में 22 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। सीजन की शुरुआत वेस्टइंडीज के भारत दौरे से होगी। इस दौरे की शुरुआत 27 सितंबर 2026 से होगी। इस दौरान भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज और उसके बाद पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वनडे मैच तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। टी-20 मैच लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में होंगे।

होलकर स्टेडियम में अब तक 4 टी-20 मैच खेले गए

● **पहला मैच-** 2017 में श्रीलंका को 88 रनों से हराया। ● **दूसरा मैच-** 2020 में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। ● **तीसरा मैच-** दक्षिण अफ्रीका ने 49 रन से भारत को हराया। ● **चौथा मैच-** भारत ने 6 विकेट से अफगानिस्तान को हराया।

मानसिक मजबूती की मदद से जीती प्लेयर्स चैम्पियनशिप

● अमेरिकी गोल्फर ने नंबर-2 से नंबर-1 बनने के लिए माइंडसेट में किया बदलाव, मूलमंत्र- वर्तमान में जियो

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। गोल्फ की दुनिया में अक्सर प्रतिभा से ज्यादा मानसिक मजबूती मायने रखती है। इस बात को गोल्फर कैमरन यंग ने हाल ही में 'द प्लेयर्स चैम्पियनशिप' जीतकर सच साबित किया है। इस जीत से यंग वर्ल्ड गोल्फ रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि यह सफलता उन्हें रातों-रात नहीं मिली। पीजीए टूर में अक्सर खिताब के करीब पहुंचकर पिछड़ने वाले यंग के लिए यह एक बड़े मानसिक बदलाव का नतीजा है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले यंग के मन में विचार आया कि क्या होगा अगर मैं यह खिताब जीत लूं, लेकिन उन्होंने अगले ही पल यह विचार दिमाग से निकाल दिया। उन्हें एहसास हुआ कि यदि पूरा ध्यान सिर्फ ट्रॉफी जीतने पर रहेगा, तो वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाएंगे।

पिछले एक साल से यंग स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. ब्रेट मैककेबे के साथ मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं। यंग बताते हैं कि पहले बड़े टूर्नामेंट के दौरान वे नकारात्मक सोचने लगते थे। उनका ध्यान नतीजों पर टिका होता था और वे हमेशा घबराए रहते थे कि उन्हें टॉप-5 में जगह बनानी है। करियर के शुरुआती दौर में वे लीडरबोर्ड के टॉप पर जगह बना लेते थे, लेकिन ऐन मौके पर चूक जाते थे।

इसकी वजह प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि भटकता हुआ दिमाग था। जब परिस्थितियां योजना के मुताबिक नहीं होती थीं, तो वे खुद पर नियंत्रण खो बैठते थे। डॉ. मैककेबे के साथ काम करके यंग ने नतीजों के बजाय प्रक्रिया और छोटे कदमों पर ध्यान लगाना सीख लिया है। इसका सबसे बड़ा असर पिछले साल क्रेल हॉलो क्लब की पीजीए चैम्पियनशिप में दिखा।

उस समय यंग बीमार थे और 30वें नंबर पर संघर्ष कर रहे थे। थकान से गलतियां हो रही थीं। उन्हें वापसी करना नामुमकिन लग रहा था। तभी उन्हें मनोवैज्ञानिक की बात याद आई कि परिस्थितियां कैसी भी हों, अपना शॉट खेलना ही है।

एमपी के प्रमुख मंदिरों में लागू होगा यूपी मॉडल !

● वाराणसी में 31 मार्च को होगा एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन ● सीएम डॉ. यादव के नेतृत्व में सहयोग को मिलेगा नया आयाम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार 31 मार्च 2026 को वाराणसी में आयोजित होने वाले एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 के माध्यम से अंतरराज्यीय सहयोग को एक ठोस, परिणामोन्मुख और वैश्विक दृष्टि से जोड़ने की दिशा में निर्णायक पहल करेगी।

यह सम्मेलन महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत संवाद के साथ ही ओडीओपी, जीआई टैग, पारंपरिक शिल्प, निर्यात योग्य उत्पादों, निवेश और पर्यटन को एकीकृत करते हुए एक व्यापक आर्थिक इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सक्रिय उपस्थिति इस आयोजन को नीति-निर्माण से आगे बढ़ाकर क्रियान्वयन आधारित सहयोग की दिशा में परिवर्तित करेगी, जिससे दोनों राज्यों के बीच विकास का एक सशक्त और दीर्घकालिक मॉडल विकसित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां क्राउड फ्लो डिजाइन, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणालियों का गहन अवलोकन किया जाएगा। यह भ्रमण केवल एक निरीक्षण नहीं होगा, बल्कि आधुनिक शहरी नियोजन और तीर्थस्थल प्रबंधन के सफल मॉडल को समझने का अवसर प्रदान करेगा। इस अनुभव के आधार पर कार्य होगा।

काशी मॉडल सीखेंगे एमपी के अफसर- मध्य प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ के बेहतर प्रबंधन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को लेकर अब उत्तर प्रदेश के मॉडल से सीख लेगी।

एआई-ड्रोन से संभालेंगे महाकुंभ की भीड़

प्रदेश के अधिकारियों को ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित कैमरों और जियोस्पेशियल तकनीकों के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इन नवाचारों का उपयोग वर्ष 2028 में प्रस्तावित उज्जैन महाकुंभ में करने की योजना है। उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारी आधुनिक भीड़ प्रबंधन पर प्रेजेंटेशन भी देंगे, जिसका उपयोग आगे चलकर उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित प्रदेश के अन्य प्रमुख धार्मिक परिसरों में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश अपने सफल ओडीओपी उत्पादों जैसे बनारसी सिल्क, लखनऊ की चिकनकारी, आगरा-कानपुर के लेदर उद्योग और भदोही के हस्तनिर्मित कालीन के जरिए ब्रांड निर्माण की रणनीति प्रस्तुत करेगा। वहीं, मध्यप्रदेश चंदेरी और महेश्वर जैसे पारंपरिक वस्त्रों की गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर और धार्मिक सर्किट पर फोकस- बैठक में गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर विकसित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी।

सरकार ने 2.38 लाख करोड़ के रक्षा प्रस्ताव किए मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में करीब 2.38 लाख करोड़ रुपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस प्रस्ताव में आर्मी, एयरफोर्स और कोस्ट गार्ड के लिए कई अहम सिस्टम और प्लेटफॉर्म शामिल हैं। सेना के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद, हाई कैपेसिटी रेडियो रिले, धनुष गन सिस्टम और रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम को मंजूरी मिली। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 55 प्रस्ताव मंजूर कर चुका है, जिनकी कुल लागत 6.73 लाख करोड़ रुपए है। इसी दौरान 503 डिफेंस डील साइन हुईं, जिनकी कीमत 2.28 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के मुताबिक यह किसी एक वित्त वर्ष में अब तक का सबसे बड़ा रक्षा खरीद और मंजूरी का आंकड़ा है। भारतीय वायुसेना के लिए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, एस-400 मिसाइल सिस्टम, रिमोटली पायलटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट, ओवरहाल को मंजूरी मिली।

देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन

● नोएडा में पीएम बोले-युद्ध के संकट से देश को एकजुट होकर लड़ना है

नोएडा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूपी के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह अभी देश का सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा।

पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा- कल सभी राज्यों के सीएम से चर्चा हुई। देशवासियों से कहूंगा कि धैर्य और एकजुटता के साथ इस संकट का सामना करें। ये पूरी दुनिया को परेशान करने वाला संकट है।

प्रधानमंत्री ने कहा- देश के राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि संकट की घड़ी में ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। एयरपोर्ट के पहले फेज का काम पूरा हो गया है। इसमें करीब 3300 एकड़ जमीन पर टर्मिनल और रनवे बनाए गए हैं। यह टर्मिनल हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से दुनिया के सामने संकट खड़ा हुआ

पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। इसके चलते कई देशों में संकट पैदा हो गया है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और किसानों पर बोझ न पड़े। 140 करोड़ देशवासी इस मुसीबत का एकजुट होकर सामना करें। नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था। कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया। तब पुराने मुख्यमंत्री (अखिलेश) इतने डरे हुए थे कि वे कार्यक्रम में आए ही नहीं। मुझे भी डराने की कोशिश की गई।

सपा ने पश्चिमी यूपी को लूट का एटीएम बना दिया था

सपा ने पश्चिमी यूपी को लूट का एटीएम बना दिया था। जब हमारी सरकार बनी तो यूपी में सपा की सरकार थी। शुरू के 2-3 सालों में उन्होंने जेवर एयरपोर्ट का काम नहीं होने दिया, लेकिन जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनी तो जेवर एयरपोर्ट की नींव पड़ी, निर्माण हुआ और अब शुरू भी हो गया। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 52 स्क्वायर किमी में बनना प्रस्तावित है। पूरा बनने की डेडलाइन 2040 है। नोएडा एयरपोर्ट अथॉरिटी से जुड़े अफसरों ने बताया- एयरपोर्ट से फ्लाइट मई से शुरू हो सकती है। एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खूबी यह है कि कम समय में बोर्डिंग संभव है।

दरियादिली नहीं, मेहनत से मिली है तरक्की

● चीन ने अमेरिका को सुनाया, भारत पर भी दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के साथ युद्ध में उलझे अमेरिका पर बिना नाम लिए चीन ने तीखा तीर छोड़ा है। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने साफ कहा है कि भारत-चीन की आर्थिक तरक्की किसी बाहरी ताकत की दरियादिली का नतीजा नहीं, बल्कि अपने लोगों की कड़ी मेहनत और समझदारी का परिणाम है। उन्होंने उन दावों को सिरे से खारिज किया, जिनमें चीन की तरक्की को अमेरिकी समर्थन से जोड़कर देखा गया था। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के हालिया बयान के जवाब के तौर पर देखी जा रही है, जिसमें उन्होंने चीन को दिए गए आर्थिक फायदे को गलती बताया था। 14वें चीन-भारत युवा संवाद में बोलते हुए शू ने बिना नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ ताकतें भारत और चीन को साथ नहीं देखना चाहतीं और चीन खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत-चीन, दोनों देशों की उपलब्धियां उनके अपने प्रयासों पर आधारित हैं, जिन्हें वैश्विक सहयोग का समर्थन जरूर मिला।

● भारत-चीन जैसे देशों पर बड़ी जिम्मेदारी

शू ने दुनिया के मौजूदा हालातों को उथल-पुथल भरा बताते हुए कहा कि बढ़ता एकतरफावाद, संरक्षणवाद और दादागिरी की राजनीति, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। ऐसे में भारत और चीन जैसे बड़े देशों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे संवाद और तालमेल को मजबूत करें, ग्लोबल साउथ के हितों की रक्षा करें और दुनिया को जंगल के कानून की ओर लौटने से रोकें।

दो और 'जहाजों' ने पार किया संकट वाला रास्ता

● होर्मुज स्ट्रेट पर भारत को फिर से मिली बड़ी विजय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आने के लिए दो और व्यापारिक जहाज ईरान के युद्धग्रस्त होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजर गए हैं। भारत आ रहे इन जहाजों पर पेट्रोलियम पदार्थ लदा हुआ है। भारत आ रहे दोनों जहाजों को कवर देने के लिए भारतीय नेवी के युद्धपोतों को स्टैंडबाय मोड में तैनात रखा गया है। उम्मीद है इन जहाजों के होर्मुज से गुजरने के बाद कुछ और जहाजों को भी इसी तरह से निकलने का रास्ता मिल सकता है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि भारत के लिए पेट्रोलियम उत्पाद ले जा रहे दो और व्यापारिक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत तैयार स्थिति में हैं। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही और जहाजों के भी उनके पीछे आने की उम्मीद है।

● ईरान ने 26 जहाजों को गुजरने की दी मंजूरी- गार्ड्स ने सेपाह न्यूज वेबसाइट पर कहा, आज सुबह अमेरिका के भ्रष्ट राष्ट्रपति के इस झूठे दावे के बाद कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है, अलग-अलग देशों के तीन कंटेनर जहाजों को... नौसेना की चेतावनी के बाद वापस भेज दिया गया। हाल ही में ईरान ने कुल 26 जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की मंजूरी दी है। ये जहाज देश के तट के पास स्थित लारक द्वीप के चारों ओर बने एक रास्ते का इस्तेमाल करते हैं।